>

Title: Need to regularize the services of Anganwadi workers, ASHA workers, Rojgar Sewakar, Shikshak Mitra and Krishak Mitra in the country.

श्री राजाराम पाल (अकबरपुर): सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से बहुत अत्यंत विषय के बारे में कहना चाहता हूं। बेरोजगारी राष्ट्रीय समस्या है। इस सदन में आए दिन महंगाई, भ्रष्टाचार पर चिंतन करते हैं लेकिन शिक्षित बेरोजगार की परेशानी की चर्चा सबसे ज्यादा होनी चाहिए। आज पूरे देश में आंगनवाड़ी कार्यकर्ती, आशा बहुं, रोजगार सेवक, शिक्षक मित्र और कृषक मित्र ऐसे पढ़े लिखे नौजवान और नवयुवतियां हैं जो रोजगार पाने के लिए, समाज की सेवा करते हैं। इन्हें सरकार 3000 रुपए मानदेय देती है और वह भी समय से नहीं देती है। वहीं आशा बहुओं को मातृ डिलीवरी, बच्चा पैदा कराने, अस्पताल ले जाने में केवल 500 रुपए दिए जाते हैं और उसमें भी 250 रुपए भाड़ा काटा जाता है। टीकाकरण के नाम पर 100 रुपए मिलते हैं।

सभापति महोदय, मैं सब शिक्षित नौजवानों और नवयुवतियों की ओर से मांग करता हूं कि इनकी समस्या को ध्यान में रखते हुए इन्हें परमानेंट किया जाए। यही नौजवान नक्सलवाद का रूप लेते हैं, डकैती और अन्य धंधों में शामिल हो जाते हैं। मेरी आपके माध्यम से मांग है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा बहुओं को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए परमानेंट नौकरी दी जाए और सम्मानजनक मानदेय दिया जाए।